कारोबारियों का दावा, चुनाव के दौरान 50 करोड़ से चमकेगा लखनऊ में खादी का बाजार

चुनावी बिगुल ने फूंकी खादी बाजार में जान

हिन्दुस्तान लाइव

बाजार

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

कोरोना काल में चुनावी बिगुल ने खादी बाजार में नई जान फूंक दी है। चुनाव की तारीख घोषित होने के साथ खादी भंडार के अलावा ब्रांडेड कंपनियों के शोरूम में सदरी, कुर्ता-पैजामा, हाफ जैकेट सहित अन्य परिधानों की बिक्री बढ़ गई है।

कारोबारियों के मुताबिक चुनावी मौसम में करीब 50 करोड़ से खादी का बाजार चमकेगा। इस दौरान नेताओं को रिझाने के लिए सदरी, कुर्ता-पैजामा व हाफ जैकेट के नए कलेक्शन आये हैं।

खादी के कपड़ों पर 25 फीसदी छूट दी जा रही :हजरतगंज स्थित खादी आश्रम के इंचार्ज एके उपाध्याय ने बताया कि राजनीतिक दलों से जुड़े युवाओं में कुर्ता-पायजामा और डिजाइनर हाफ जैकेट का क्रेज बढ़ता दिख रहा है। खादी भंडार में सूती खादी, खादी सिल्क, कतान, मूंगा के कपड़ों की मांग बढ़ी है। खादी कपड़ों पर 25 फीसदी छूट दी जा रही है। उन्होंने कहा कि पिछले एक हफ्ते में 40 फीसदी बिक्री बढ़ी है। वहीं शोरूम में लिनेन के कपड़ों की मांग में इजाफा हुआ है। दुकानों में युवा वर्ग हाफ जैकेट की डिमांड कर रहे हैं और अपने कुर्ते के रंग की मैचिंग के हिसाब से इसे खरीद रहे हैं।

चुनावों के आते ही खादी की शॉर्ट जैकेट, सदरी की मांग बढ़ गई है। खादी का कुर्ता-पैजामा की भी खूब मांग है।

कपड़ों की कीमत

खादी के कुर्ते	75, से लेकर 2000 रुपये तक
पायजामा	500 से लेकर 1500 रुपये तक
मूंगा थान	5000 रुपये प्रति मीटर
रंगीन मटका	1400 से 1500 रुपये
धोती मसलिन	300 से 1500
सदरी ऊनी	1200 से 2500 रुपये

मसलिन खादी, मूंगा सिल्क कपड़ों की मांग बढ़ी

उत्तर प्रदेश कपड़ा व्यापार मंडल के अध्यक्ष अशोक मोतियानी ने बताया कि कोरोना महामारी के कारण पिछले दो सालों से खादी कपड़ों की बिक्री घट गई थी, लेकिन चुनाव के कारण करीब 50 करोड़ रुपये का कारोबार की उम्मीद है। मसलिन खादी, मटका सिल्क, मूंगा सिल्क के कपड़ों की मांग बढ़ी है। युवाओं में शॉर्ट जैकेट का क्रेज ज्यादा है। ग्राहक जैकेटों पर पसंदीदा एंब्रायडरी भी करा रहे हैं। मैचिंग और कंट्रास्ट को लेकर लोगों में रुचि ज्यादा है।